मंगलवार
24 अक्टूबर 2023

पृष्ठ 4

स्कूप के लिए करिश्मा तन्ना ने जीता बेस्ट लीड एक्ट्रेस का अवॉर्ड

पृष्ठ 5

बाइडेन के लिए बाधा बन रही इजराइल की जंग

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 253
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

धैर्यवान मनुष्य आत्मविश्वास की नौका पर सवार होकर आपत्ति की नदियों को सफलतापूर्वक पार कर जाते हैं।

– भर्तृहरि

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

श्री बदरीनाथधाम के कपाट 18 नवम्बर को होगें बंद

❑धार्मिक समारोह में हुई कपाट बंद होने की तिथि निश्चित

❑कपाट बंद होने तक सुचारु रहेगी यात्राः अजेन्द्र

हमारे संवाददाता

देहरादून। श्री बदरीनाथ धाम के कपाट शीतकाल हेतु 18 नवंबर को सायंकाल 3 बजकर तैतीस मिनट पर बंद हो जायेंगे। आज विजय दशमी के अवसर पर बदरीनाथ मंदिर परिसर में आयोजित धार्मिक समारोह में रावल ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी ने आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी को साक्षी मानकर कपाट बंद करने की तिथि की घोषणा की।

इससे पहले धर्माधिकारी राधाकृष्ण थपलियाल ने पंचांग गणना की तथा वेदपाठी रविन्द्र भट्ट सहित वेदाचार्यो ने स्वास्तिवाचन किया अपने संदेश में श्री बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी)अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कपाट बंद होने की तिथि घोषित होने पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा विजय दशमी की शुभकामनाएं दी। उन्होने कहा कि कपाट बंद होने तक तीर्थयात्रा सुचारू ढ़ग से संचालित होगी। अपने जारी बयान में मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने कहा कि इस बार बदरी- केदार यात्रा में रिकार्ड चौंतीस लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने दर्शन कर लिए हैं। आज ही नये यात्रा वर्ष भंडार व्यवस्था हेतु पगड़ी भेंट कर जिम्मेदारी दी गयी। बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने हकूकधारियों को पगड़ी भेंट की। इस अवसर पर अपने संबोधन में बीकेटीसी उपाध्यक्ष किशोर पंवार ने बदरीनाथ धाम की सफल यात्रा हेतु सभी विभागों, पुलिस, प्रशासन, सेना आईटीबीपी, हक-हकूकधारियों, तीर्थपुरोहितों, तीर्थयात्रियों का आभार जताया।

उल्लेखनीय है कि कपाट बंद होने के बाद 19 नवंबर को प्रातः श्री उद्धवजी एवं कुबेर जी योगध्यान बदरी मंदिर पांडुकेश्वर तथा आदि गुरु शंकराचार्य जी की गद्दी श्री नृसिंह मंदिर स्थित गद्दीस्थल को प्रस्थान करेगी। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ ने बताया कि कपाट बंद की प्रक्रिया के तहत पहले पंचपूजाये शुरू हो जायेगी 14 नवंबर को गणेश जी के कपाट बंद होंगे। 15 नवंबर दिन में आदि केदारेश्वर मंदिर कपाट बंद होंगे , 16 नवंबर तीसरे दिन खडग पुस्तक पूजन के बाद वेद ऋचाओं का पाठ बंद हो जायेगा चौथे दिन 17 नवंबर को लक्ष्मी जी को कढाई भोग तथा पांचवे दिन 18 नवंबर को रावल जी स्त्री भेष धारण कर लक्ष्मी माता को भगवान बदरीनाथ जी के सानिध्य में रखेंगे उसके पश्चात शाम 3 बजकर 33 मिनट पर भगवान बदरीविशाल के कपाट बंद हो जायेंगे।

उल्लेखनीय है कि श्री केदारनाथ धाम तथा यमुनोत्री धाम के कपाट भैया दूज के अवसर पर 15 नवंबर को दोपहर को बंद हो जायेंगे जबकि श्री गंगोत्री धाम के कपाट अन्नकूट के अवसर पर 14 नवंबर को शीतकाल हेतु बंद होंगे। द्वितीय केदार मद्महेश्वर जी के कपाट 22 नवंबर तथा तृतीय केदार तुंगनाथ जो के कपाट 1 नवंबर पूर्वाह्न को बंद कर दिये जायेंगे।

आज होगा दशानन के अहंकार का नाश

संवाददाता

देहरादून। महा प्रख्यात पंण्डित लंकापति रावण के अहंकार का नाश हो जायेगा और दून के कई स्थानों पर उनका पुतला धूं-धूं कर जलेगा। इस दौरान यातायात व्यवस्था के लिए परेड ग्राउंड के चारों तरफ जीनो जोन रहेगा।

आज वेदों के ज्ञाता प्रख्यात पण्डित लंकापति रावण के अंहकार का अंत हो जायेगा। दशहरा मेले का लोगों को काफी समय से इंतजार रहता है। आज के दिन लोगों को इस बात का भी अभास हो जाता है कि जब अहंकार महाज्ञानी, महाबलशाली रावण जैसे का नहीं रहा तो आम आदमी की क्या बिसात है। शहर के बीचों बीच बन्नू बिरादरी की तरफ से 131 फीट के रावण के पुतला लगाया गया है जिसके साथ ही मेघनाथ व कुम्भकरण के पुतले भी लगाये गये हैं। इस बार मौसम को ध्यान में रखते हुए कागज का इस्तेमाल ना करते हुए कपडों के पुतले बनाये गये हैं। वहीं इन्दिरा नगर में सजग सांस्कृतिक समिति की ओर से एडब्लूएचओ कालोनी ग्राउंड में दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया जायेगा। रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ ही इस बार 55 फीट ऊंचा रावण का पुतला दहन किया जायेगा। इस बार इन्दिरा नगर में नृतक बीना अग्रवाल, सुरभि डांस एकेडमी से संध्या जोशी व परिंदा डांस एकेडमी से श्रद्धा बछेती की प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। वहीं शिवालिक इंटरनेशनल स्कूल पटेलनगर में 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन होगा। इसके साथ ही हिन्दू नेशनल इंटर कालेज में भी रावण, कुम्भकरण व मेघनाथ के पुतलों का दहन होगा। इसके साथ ही प्रेमनगर, रायपुर स्टेट, विकासनगर, डोईवाला आदि क्षेत्रें में भी रावण के पुतलों का दहन कर दहशरा पर्व मनाया जायेगा। वैदिक शास्त्र के अनुसार विजयदशमी पर मां दुर्गा के साथ ही देवी अपराजिता की पूजा करने का विधान होता है। विजयदशमी के दिन शस्त्र पूजा, दुर्गा पूजा, भगवान राम की पूजा और शमी की पूजा का काफी महत्व होता है।

हमास ने इजराइल के 2 बंधकों को छोड़ा

नई दिल्ली। 7 अक्टूबर को इजराइल से अगवा किए गए 222 बंधकों में से 2 और बंदियों को हमास ने रिहा कर दिया है। एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। हमास से युद्ध के 17वें दिन इजराइल ने पुष्टि की कि नुरिट कूपर (80) और योचावेड लिपशिट्ज (85) को गाजा पट्टी में कैद से रिहा कर दिया गया है। वहीं हमास ने अपनी टेलीग्राम साइट पर एक बयान में कहा कि हमने मानवीय और खराब स्वास्थ्य कारणों से उन्हें रिहा करने का फैसला किया है। इसके बावजूद, दुश्मन ने पिछले शुक्रवार को उन्हें लेने से इनकार कर दिया था। जानकारी के मुताबिक मानवीय सहायता के 20 ट्रक गाजा में प्रवेश करने के बाद और कतर द्वारा विदेशी पासपोर्ट वाले लगभग 50 बंधकों की रिहाई सुनिश्चित की गई थी। इन खबरों के बीच हमास-सशस्त्र विंग के प्रवक्ता अबू उबैदा ने सबसे पहले रिहाई की घोषणा की। रिहा की गई बंदी दो इजरायली महिलाएं नुरिट कूपर (80) और योचावेड लिपशिट्ज (85) हैं, जो रात करीब 9:45 बजे राफा क्रॉसिंग पर पहुंचीं। योचावेड लिफशिट्ज (85) का उनके पति ओडेड (83) के साथ अपहरण कर लिया गया था। उनके पोते, पूर्व गोलकीपर डैनियल लिपशिट्ज ने नरसंहार के बाद अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया कि दोनों गायब हैं। वहीं कूपर को उनके पति अमीराम (85) के साथ निर अोज से अपहरण कर लिया गया था।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने की शस्त्र पूजा, सेना के जवानों के साथ मनाया दशहरा

नई दिल्ली। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मंगलवार को विजयादशमी के मौके पर अरुणाचल प्रदेश के तवांग पहुंचे। जहां उन्होंने शस्त्र पूजा की और सेना के जवानों के साथ दशहरा मनाया। इसके साथ ही रक्षामंत्री ने तवांग के युद्ध स्मारक पहुंचकर शहीदों को श्रद्धांजलि भी दी। यही नहीं उन्होंने बम ला बॉर्डर से सीमा के पास मौजूद चीनी चौकियों का भी विश्लेषण किया। साथ ही सैन्य अधिकारियों से सीमा पर मौजूद हालातों के बारे में भी जानकारी ली।

बता दें कि तवांग पहुंचने से पहले रक्षामंत्री ने असम के तेजपुर का दौरा किया। जहां उन्होंने 4 कोर मुख्यालय में बड़ाखाना में सैनिकों के साथ बातचीत

की। इस दौरान उन्होंने इस अवधारणा की सराहना की कि बड़ाखाना में सभी रैंक के सैनिक एक परिवार के सदस्यों के रूप में एक साथ भोजन करते हैं। रक्षामंत्री ने कहा कि भारतीय सेना एकता और भाईचारे का सच्चा उदाहरण है, क्योंकि वे अलग-अलग राज्यों, धर्मों और पृष्ठभूमि से होने के बावजूद एक ही बैरक और इकाइयों में एक साथ काम करते हैं और रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज से 4 साल पहले मैं यहां आया था मुझे लगा कि मैं विजयदशमी आपके साथ मनाऊं। जिन कठिन परिस्थितियों में आपलोग देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाते हैं इसके लिए मुझे उनपर नाज है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि, ज्यादातर नौजवानों की इच्छा होती है कि वे एक बार सेना में सेवा दें राजनीति में नेता भी ये चाहते हैं कि टेरिटोरियल आर्मी के जरिए सेना की वर्दी हमारे बदन पर आ जाए। उन्होंने कहा कि, ष्इस वर्दी की क्या अहमियत है ये देश के नागरिकों को पता है। यदि गांव का साधारण सा व्यक्ति जो गलत चीजों को स्वीकार नहीं कर सकता उसे लोग फौजी स्वभाव का कहते हैं। ये इस देश के जवानों के प्रति लोगों का सम्मान है।

दून वैली मेल

संपादकीय

अपने अंदर के रावण का दहन करे

आज हमारे देश में विजयदशमी का पर्व मनाया जा रहा है। धर्म शास्त्रों के अनुसार आज ही के दिन भगवान राम ने रावण का वध किया था। असत्य पर सत्य की जीत के रूप में तभी से हम इस दिन को विजयदशमी के रूप में मनाते आ रहे हैं। हम सभी के अंदर एक राम विद्वमान है जिन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है तथा एक रावण भी मौजूद है जिसे बुराई का प्रतीक और राक्षस के रूप में जाना जाता है। हर एक इंसान के कृतित्व और व्यक्तित्व के आधार पर ही वह राम या रावण का प्रतिनिधित्व का अधिकारी होता है। हमारे समाज में यह एक प्रचलित सत्य है की सत्य की कभी हार नहीं होती है और असत्य कभी सत्य से जीत नहीं सकता है अगर हम अपनी न्यायिक व्यवस्था के मूल मंत्र पर गौर करें तो वह भी सत्यमेव जयते पर ही आधारित है। हम सभी ने अपनी प्राइमरी पाठशाला में गांधी जी के तीन बंदरों वाली वह तस्वीर जरूर देखी होगी जिनके नीचे लिखा है बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो, बुरा मत बोलो, यह सिद्धांत बुराइयों से बचाने के तरीके समझ जाते हैं। लेकिन वर्तमान कालखंड जिसे कलयुग कहा जाता है, आप जिधर भी नजर दौड़ाएंगे आपको अच्छाइयों पर बुराइयां ही हावी होती दिखेंगी। धर्म जिसे मानव मूल्यों की रक्षा के लिए बनाया गया उसका इस्तेमाल जिस तरह अधर्म कार्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है वह जग जाहिर है देश ही नहीं आज पूरे विश्व में धर्म के नाम पर नफरत और हिंसा फैलाने का प्रयास किये जा रहे है उसके तमाम उदाहरण हमारे सामने हैं। बात चाहे इजरायल युद्ध की हो या फिर रूस और यूक्रेन युद्ध की, उनकी पृष्ठभूमि में अगर सांप्रदायिकता और वर्चस्व का सच नहीं है तो और क्या है? रूस और यूक्रेन के बीच सालों लंबा चलने वाला यह युद्ध और उसमें तबाह हुए लोगों के लिए मानवता और मानवीय मूल्यों की बात कितनी बड़ी बेमानी है। यही नहीं इसराइल पर हमास के हमले और उसके जवाब में इजरायल द्वारा गाजा पर की जाने वाली कार्यवाही में मरने वाले मासूम बच्चों और महिलाओं या लहूलुहान होने वाली इंसानियत के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है। विश्व पटल पर इन दिनों जो कुछ भी चल रहा है उसने पूरे विश्व को एक बार फिर विश्व युद्ध की देहरी पर लाकर खड़ा कर दिया है। बात अगर अपने देश की की जाए तो यहां भी भले ही कोई प्रत्यक्ष युद्ध न लड़ा जा रहा हो लेकिन जातीय व धार्मिक आधार पर खींची जाने वाली लकीरें अब इतनी गहरी हो गई है कि सर तन से जुदा करने और गौ रक्षा के नाम पर लोगों को जिंदा जला देने वाली घटनाएं आम हो चुकी है। नफरतीय हिंसा की एक और तस्वीर अभी हमने मणिपुर में हुए सांप्रदायिक दंगों के दौरान भी देखी थी। सवाल यह है कि आज हर तरफ हिंसा और नफरत का जो वातावरण तैयार हो रहा है उस रावण को कौन दहन करेगा। कौन है वह रावण जिसने हमारे देश और समाज ही नहीं पूरे विश्व को अपनी गिरफ्त में ले रखा है? वह कोई और नहीं है हम या हमारे बीच के लोग ही हैं। भले ही हमारे पर्वों को मनाए जाने की महत्ता यह हो कि हमारी भावी पीढ़ी उनके इतिहास और उद्देश्यों को समझ सके लेकिन आज इस बात की सबसे अधिक जरूरत है कि हम अपने अंदर के रावण का दहन करें और अपने अंतर्मन के उस राम को जो मर्यादा पुरुषोत्तम है जीवन्त बनाएं जिसने इस दुनिया को मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया। रावण, कुंभकरण और मेघनाथ के कागजी पुतलो को जलाने का कर्मकांड तो हम सदियों से करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे लेकिन अपने अंदर के रावण का दहन कर हम कैसे सुखद और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना कर सकते हैं जिसमें हमारी भावी संताने सुखचैन और शांति के साथ रह सके। इस पर विचार मंथन की जरूरत आज हर मनुष्य को है।

दशहरे के त्यौहार का आध्यात्मिक पहलू

–संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

हम सब यह जानते हैं कि हर वर्ष दशहरे का त्यौहार मनाया जाता है। ये त्यौहार असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का भी प्रतीक है। रामायण की कथा के दो पहलू हैं-एक बाहरी और एक अंतरी। बाहरी पहलू के बारे में हम सब अच्छी तरह जानते हैं लेकिन अंतरी पहलू जोकि हमारी आत्मा से जुड़ा है उसके बारे में हम बहुत कम जानते हैं। रामायण की वास्तविक शिक्षा आध्यात्मिक है, मगर हम इसके बाहरी पहलू तक ही सीमित रह जाते हैं।

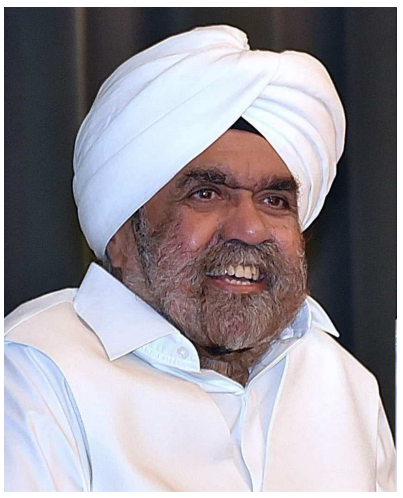

अगर हम दशहरे के त्यौहार के आध्यात्मिक पहलू पर एक नजर डालें तो सभी संत-महापुरुषों ने रामायण के पात्रों का असली मतलब हमें समझाया है। उनके अनुसार राम से अभिप्राय उस प्रभु सत्ता से है जो सृष्टि के कण-कण में समाई हुई है, जिसे "संतों का राम" कहा गया है। सीता से अभिप्राय हमारी आत्मा से है जोकि हमारे शरीर में कैद है और चौरासी लाख जियाजून के चक्कर में भटक रही है। इसके अलावा लक्ष्मण से अभिप्राय हमारे मन से है जो कभी भी शांत नहीं होता और हमेशा लड़ने को तैयार रहता है। रावण से मतलब हमारे अहंकार से है, जो हरेक इंसान के अंदर कूट-कूटकर भरा हुआ है। दशरथ का अर्थ हमारे मानव शरीर से है जोकि एक रथ के समान है, जिसमें पाँच ज्ञान-इंद्रियों और पाँच कर्म-इंद्रियों के 10 घोड़े बंध हुए हैं, जो इसे चला रहे हैं।

संत-महापुरुष इसके आध्यात्मिक पहलू के बारे में हमें और विस्तार से समझाते हैं कि सीता यानि हमारी आत्मा अपने आपको भूलकर इस दुनिया का रूप बन चुकी है। रावण रूपी अहंकार उसे हर लेता है। राम और रावण का युद्ध होता है और वह सीता (आत्मा) को रावण (अहंकार) के पंजे से छुड़ाकर वापिस ले आते हैं। सीता जिस्म-जिस्मानियत से आजाद होकर वापिस महाचेतन प्रभु में समा जाती है, जिसकी की वो अंश है।

दशहरे के त्यौहार का एक आध्यात्मिक पहलू यह भी है कि यह हमें घमंड को छोड़कर नम्रता से जीना सिखाता है। अगर हम अपने जीवन पर एक नजर डालें तो हम पाएंगे कि ज्यादातर हम सभी अहंकार से अपना जीवन जीते हैं और यही हमारे विनाश का कारण है। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि अहंकार के कारण ही रावण का पतन हुआ था। जब हम किसी पूर्ण गुरु के चरण-कमलों में जाते हैं और उनके अनुसार अपना जीवन व्यतीत करते हैं तो उनकी दयामेहर से हमारा घमंड खत्म हो जाता है। तभी हमारी आत्मा का मिलाप प्रभु से होता है।

जिस प्रकार विजयदशमी के दिन राम ने अहंकारी रावण को पराजित कर विजय प्राप्त की थी, ठीक उसी प्रकार हमें भी अपनी आत्मा (सीता) को इस शरीर के पिंजरे से आजाद करके पिता-परमेश्वर में लीन कराना है।

तो आइये! हम वक्त के किसी पूर्ण गुरु के चरण-कमलों में पहुंचें और उनसे ध्यान-अभ्यास की विधि सीखें ताकि इसी जन्म में हमारी आत्मा का मिलाप पिता-परमेश्वर हो जाए और वह चौरासी लाख जियाजून से छुटकारा पा जाए। तभी हम सच्चे मायनो में दशहरे के त्यौहार को मना पाएंगे।

बजरंग सेवा समिति ने निकाली मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा

संवाददाता

देहरादून। बजरंग सेवा समिति ने दशहरा पर्व पर मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा निकाली।

आज यहां विजयदशमी के अवसर पर करनपुर बाजार स्थित लक्ष्मी नारायण मन्दिर में बजरंग सेवा समिति द्वारा आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव में मां दुर्गा की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। इस दौरान क्षेत्र के लोगों ने बढ चढ कर हिस्सा लिया और धूमधाम के साथ बैण्ड बाजा के साथ मां दुर्गा की शोभायात्रा में श्रद्धालु शामिल हुए।

वीडियो प्रभारी पूजा समिति के सोमपाल सिंह ने बताया कि दुर्गा पूजा महोत्सव में आज शोभायात्रा के बाद मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन हरिद्वार गंगा जी में किया जाएगा।

करनपुर लक्ष्मी नारायण मंदिर समिति के अध्यक्ष सुरेश दुसेजा, सुभाष वासुदेव, रवि कुमार मल्होत्रा, चेतन दीवान, सोमपाल सिंह, दिनेश डोरा आदि सैकडों भक्तजन शामिल हुए।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डालनवाला कोतवाली पुलिस ने मंगला देवी ग्राउंड के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से सात ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम पंकज पुत्र सोमपाल निवासी ओल्ड डालनवाला बाल्मीकि बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

त्या हियाना न हेतृभिरसृग्रं वाजसातये।
वि वारमव्यमाशवः॥

(ऋग्वेद ९-१३-६)

जिस प्रकार एक योद्धा रणक्षेत्र में चाहता है कि उसका घोड़ा शीघ्रता से आगे बढ़े। उसी प्रकार हम परमेश्वर से चाहते हैं कि उसका प्रकाश हमारी अज्ञानता के नाश के लिए शीघ्रता से बढ़े।

विजयदशमी विजय का पर्व

डॉ. सुनीता यदुवंशी

विजयदशमी विजय का पर्व है, अपनी दस आसुरी प्रवृत्तियों का संहार करने और मानवता में विश्वास स्थापित करने का पर्व है। यह हमारी सांस्कृतिक एकता का परिचायक पर्व भी है। यह पर्व नौ दिवसों तक शक्ति की आराधना के पश्चात् विष्णु स्वरूप प्रभु श्रीराम द्वारा अहं के स्वरूप खल रावण के विनाश का प्रतीक है , आज ही के दिन दुर्गतिनाशिनी दुर्गा द्वारा अत्याचारी महिषासुर का भी संहार किया गया था। आज का दिन शिवमुख से रामकथा की नियताप्ति श्रवण का भी दिन है। इस प्रकार यह दिन शैव, वैष्णव और शाक्त मतों की एकता का दिन है और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आतंकवाद रूपी असुर के विनाश की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा का भी दिन है।

विजयादशमी के पावन अवसर पर यदि हम समाज में फैली दस बुराइयों का दशानन के दस सिरों की भांति वध कर सकें तो निश्चय ही एक समतामूलक समाज और रामराज्य की दिशा में देश आगे बढ़ सकता है:

1- आतंकवाद का शीश
2- भ्रष्टाचार का शीश
3- महिला, बालिका, बालक एवं दुर्बलों के उत्पीड़न का शीश
4- कुशासन और अन्याय का शीश
5- गंदगी का शीश
6- निर्धनता का शीश
7- अशिक्षा का शीश
8- बेरोजगारी का शीश
9- कुप्रथाओं का शीश
10- छुआछूत का शीश

दशानन के ये दस शीश तभी निर्जीव होंगे, जब हम दृढ संकल्प के रामबाण से इनकी नाभि (मूल) पर प्रहार करेंगे। तभी शायद हमारी विजयादशमी (दस दुर्गुणों पर विजय) तथा दशहरा (दसों शीशों का हरण) सार्थक और संभव होगा।

आज का यह पावन पुनीत दिवस आप सबके जीवन में शांति, सुख, समृद्धि, तोष, दीप्ति और प्रशस्ति दे, यही नव मातृकाओं तथा प्रभु श्रीराम से पुनीत प्रार्थना है।आप सभी को जय पर्व दशहरा और विजयदशमी की हार्दिक बधाई।

कलास्टार के लिए फिर साथ आए सोनाक्षी सिन्हा, यो यो हनी सिंह

हाल ही में स्ट्रीमिंग सीरीज दहाड़ में नजर आई अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा 9 साल बाद रैपर यो यो हनी सिंह के साथ फिर से जुड़ गई हैं। दोनों ने रविवार को अपना नया ट्रैक कलास्टार रिलीज किया।

यह गाना सोनाक्षी और यो यो हनी सिंह के पिछले म्यूजिक एल्बम देसी कलाकार का विस्तार है, जो 2014 में रिलीज हुआ था। गाने के म्यूजिक वीडियो में यो यो हनी सिंह और सोनाक्षी के बीच शानदार केमिस्ट्री दिखाई गई है।

इस सहयोग के बारे में बात करते हुए सोनाक्षी सिन्हा ने साझा किया, 9 साल बाद एक बार फिर यो यो हनी सिंह के साथ जुडऩा बेहद खुशी की बात थी। हनी के साथ काम करना हमेशा मजेदार होता है, और इस गाने में जो जीवंतता है वह स्वैग से भरपूर है।

उन्होंने आगे कहा, सबसे बड़ी बात यह है कि यह देसी कलाकार का विस्तार है जिसे प्रशंसकों द्वारा बहुत पसंद किया गया था। मुझे उम्मीद है कि इस बार भी हमें वैसी ही प्रतिक्रिया मिलेगी, क्योंकि कलास्टार वर्तमान संगीत क्षेत्र में काफी आगे है।

कलास्टार जी म्यूजिक कंपनी के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है। इस बीच इस साल की शुरुआत में दहाड़ से ओटीटी डेब्यू करने वाली सोनाक्षी, संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित अपने पीरियड ड्रामा हीरामंडी के लिए तैयारी कर रही हैं। हीरामंडी, स्वतंत्रता-पूर्व भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो हीरामंडी जिले में वेश्याओं की तीन पीढि?ों की जीवन कहानी पर आधारित है। श्रृंखला में ऋचा चड्ढा, शर्मिन सहगल और मनीषा कोइराला भी हैं, और यह नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

श्वेता तिवारी पर चढ़ा बोल्डनेस का रंग, इतने सिजलिंग अंदाज में आई नजर

श्वेता तिवारी के चाहने वाले आज देशभर में मौजूद हैं। फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस भी अपने चाहने वालों के साथ जुडऩे का एक मौका हाथ से नहीं जाने देतीं। श्वेता ने अपनी अदाकारी के दम पर तो हर किसी को दीवाना बनाया ही है, लेकिन आज लोग उनकी ग्लैमरस अदाओं पर भी फिदा रहते हैं। ऐसे में श्वेता का हर लुक तेजी से वायरल होने लगता है। अब फिर से एक्ट्रेस ने हुस्न की बिजलियां गिराई हैं। लेटेस्ट फोटोशूट के लिए श्वेता ने हैवी सीक्वेंस और फेदर वाली सिल्वर बॉडीकॉन ड्रेस कैरी की है। अपने इस लुक को स्मोकी मेकअप से कंप्लीट किया है। उन्होंने सटल बेस के साथ न्यूड लिप्स और स्मोकी आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ उन्होंने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स के साथ ओपन रखा हुआ है। श्वेता इस लुक में बेहद हॉट दिख रही हैं। उन्होंने अपनी अलग-अलग अदाएं दिखाते हुए कैमरे के सामने किलर पोज दिए हैं। उनकी इन अदाओं को देखकर अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता कि एक्ट्रेस 43 साल की हो चुकी है और दो बच्चों की मां हैं। श्वेता की 22 साल की बेटी पलक तिवारी बॉलीवुड में भी डेब्यू कर चुकी हैं। श्वेता के वर्क फ्रंट की बात करें तो इस समय वह रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स में वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह हम तुम और दैम वेब सीरीज में भी नजर आने वाली हैं।

मोनोकिनी पहन नेहा मलिक ने फ्लॉन्ट किए बॉडी कर्व्स

भोजपुरी इंडस्ट्री की हॉट क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी बोल्ड फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस के बीच सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक कातिलाना अवतार को देखकर फैंस अक्सर अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट मोनोकिनी लुक्स में फोटोशूट करवाया है। इन फोटोज में उनका सेक्सी लुक देखकर लोगों के दिलों में खंजर चल गए हैं। एक्ट्रेस जब भी

अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थकते हैं। हाल ही में नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट लुक से फैंस को अपनी ओर रिझाना शुरू कर दिया है। इन तस्वीरों में उनका स्टाइलिश अंदाज देखकर लोग आहें भरते नजर आ रहे हैं। नेहा मलिक ने अपनी इन तस्वीरों में ब्लैक कलर की मोनोकिनी पहनी हुई है, जिसमें वो जमीन में बैठकर बेहद ही सिजलिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। ओपन हेयर, कातिलाना निगाहें, हाथों में लाइट एसेसरीज और हाई हील्स पहनकर एक्ट्रेस ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो अक्सर फैंस के बीच बवाल मच जाता है। अभिनेत्री नेहा मलिक हमेशा अपनी अदाओं से फैंस को मदहोश कर देती हैं। उनका अंदाज इतना कातिलाना होता है कि हर कोई बस देखता रह जाता है।

स्कूप के लिए करिश्मा तन्ना ने जीता बेस्ट लीड एक्ट्रेस का अवॉर्ड

एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना, जिन्होंने बुसान फिल्म फेस्टिवल 2023 में नेटफ्लिक्स की सीरीज स्कूप में अपने काम के लिए बेस्ट लीड एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता है, ने साझा किया कि फिल्म फेस्टिवल जीतना कितनी बड़ी बात है, लेकिन वह प्रोजेक्ट्स के अनुसार रोल्स चुनने के अपने पैरामीटर्स को बदलती नहीं रहेंगी।

करिश्मा ने बुसान फिल्म फेस्टिवल में स्कूप के लिए बेस्ट सीरीज की ट्रॉफी भी जीती, जो एशिया के सबसे प्रसिद्ध सिनेमाई इवेंट्स में से एक है।

करिश्मा ने अपनी जीत, जश्न और अपने किरदार जागृति पाठक की यात्रा के बारे में बात की।

करिश्मा ने कहा कि वह अवॉर्ड सेरेमनी में सचमुच एक्साइटेड, लेकिन नर्वस भी थीं।

उन्होंने कहा, इसकी शुरुआत सीरीज कैटेगिरी से हुई, और तुरंत मैंने स्कूप शब्द सुना, इसलिए यह मेरे लिए बहुत अच्छी शुरुआत थी। नर्वस थी, क्योंकि कलाकारों के बीच स्टेज पर जाने वाली मैं पहली थी। मैं नेटफ्लिक्स, पूरे शो का प्रतिनिधित्व कर रही थी, हंसल मेहता सर, कलाकार, हर वर्ग के लोग वहां बैठे थे। यह बहुत ही अवास्तविक था.

करिश्मा ने कहा, फिल्म फेस्टिवल जीतना बड़ी बात है, इसलिए मुझे खुशी है कि मुझे स्कूप के लिए यह एक्सपीरियंस करने को मिला।

स्कूप ने करिश्मा को इंटरनेशनल

लेवल पर ख्याति दिलाई है।

क्या भविष्य में प्रोजेक्ट चुनने के प्रति उनका परसेप्शन चेंज होगा, इस पर क्योंकि सास भी कभी बहू थी फेम एक्ट्रेस ने जवाब दिया, स्कूप से पहले भी मैं हमेशा से मिनिंगफुल और कॉम्प्लेक्स करेक्टर करना चाहती थी और मुझे नहीं लगता कि यह चेंज होगा, क्योंकि मैं एक एक्टर हूं। इसलिए, मैं प्रोजेक्ट्स के हिसाब से बदलाव नहीं करूंगी।

करिश्मा ने कहा, स्कूप का हिस्सा बनना निश्चित रूप से एक उपलब्धि है। मैं हमेशा कुछ ऐसी चीज की तलाश में रही हूं और इसकी ओर आकर्षित रही हूं जो चुनौतीपूर्ण हो। मैं ऐसा कुछ नहीं कर पाऊंगी, जो मुझे उत्साहित न करे। यही कारण है कि आप मुझे बैक टू बैक ओटीटी या टीवी शो करते हुए कम ही देखते हैं। मुझे कुछ ऐसा चाहिए जो मेरे दिमाग को उत्तेजित करे, जो मुझे सेट पर चुनौती दे। और मैं ऐसा करना जारी रखूंगी।

39 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा, मेरा परसेप्शन इस इंडस्ट्री में एक सुंदर लड?ी की तरह था। लेकिन अब मैं एक्टिंग टैलेंट से भरपूर सुंदर लड?ी के रूप में जानी जाती हूं। इसलिए, उस तरह का परसेप्शन वास्तव में अच्छे के लिए बदल गया।

उन्होंने कहा, लोग अब मुझे अलग नजरिए से देखते हैं। मुझे लगता है कि अगर लोगों के पास पांच कलाकारों के नाम होंगे तो वे मुझ पर भी विचार करेंगे, वक्त बदल गया है। मुझे खुशी है कि मुझे अपनी प्रतिभा साबित करने का मौका मिला है। स्कूप जिग्ना वोरा के बायोग्राफिकल बिहाइंड बार्स इन बाइकुला- माई डेज इन प्रिजन पर आधारित है। यह जिग्ना वोरा की वास्तविक जीवन की कहानी है, जिन पर जून 2011 में मिड-डे रिपोर्टर ज्योतिर्मय डे की हत्या में शामिल होने का आरोप था। यह शो नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है।

अदा शर्मा द केरला स्टोरी के निर्माताओं के साथ अगले प्रोजेक्ट बस्तर- द नक्सल स्टोरी के लिए साथ आई

द केरला स्टोरी की अभिनेत्री अदा शर्मा निर्माता विपुल अमृतलाल शाह और निर्देशक सुदीप्तो सेन के साथ अगले प्रोजेक्ट बस्तर- द नक्सल स्टोरी के लिए जुड़ गई हैं।

तीनों ने मुहूर्त पूजा के साथ शूटिंग शुरू की, उसके बाद स्थान पर पहले दिन की शूटिंग की गई। पूजा में विपुल, सनशाइन पिक्चर्स से आशिन ए शाह, सुदीप्तो और अदा शर्मा मौजूद थी। पूजा के ठीक बाद अदा ने लोकेशन पर अपना पहला शॉट दिया।

अभिनेत्री ने फिल्म के लिए अपना पहला संवाद बोला और वह मिलिट्री पैंट, एक काली कमांडो टी-शर्ट और कमांडो जैसा बंधना पहने हुए नजर आईं। इससे वाकई फिल्म देखने का उत्साह बढ़ गया है।

जून में निर्माताओं ने फिल्म की आधिकारिक घोषणा की थी, और सोशल मीडिया पर लिखा था, छिपा हुआ सच जो देश को तूफान में ले जाएगा.. बस्तर।

विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित और आशिन ए शाह द्वारा सह-निर्मित, बस्तर- द नक्सल स्टोरी सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित है और लास्ट मॉन्क मीडिया के सहयोग से सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले बनाई गई है।

यह 5 अप्रैल, 2024 को रिलीज होगी।

लियो ने जवान और जेलर को भी चटाई धूल

थलापति विजय की फिल्म लियो ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया। इसने जबरदस्त कमाई के साथ अपना खाता खोला है और इसी के साथ बॉक्स ऑफिस पर शाहरुख खान से लेकर रजनीकांत तक कई दिग्गज सितारों की भीमकाय फिल्मों को भी पीछे छोड़ दिया है।यह साल की सबसे बड़ी ओपनिंग लेने वाली फिल्म बनकर उभरी है। लियो ने न सिर्फ भारत, बल्कि दुनियाभर में धुआंदार कमाई के साथ अपना खाता खोला है।

कई ट्रेड विशेषज्ञ यह दावा कर रहे थे कि थलापति की लियो पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त शुरुआत करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, थलापति की लियो ने पहले दिन भरत में 64 करोड़ का ताबडतोड़ बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर डाला है, वहीं दुनियाभर में इसकी कमाई 140 करोड़ रुपये को पार कर गई है।जवान ने दुनियाभर में पहले दिन 129 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं पहले दिन जेलर ने 95 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

बॉक्स ऑफिस पर सुपरस्टार प्रभास की फिल्म आदिपुरुष ने जबरदस्त शुरुआत की थी। लगा था कि फिल्म कई फिल्मों के रिकॉर्ड चकनाचूर कर देगी, लेकिन पहले दिन के बाद इसका बॉक्स ऑफिस पर बुरा हश्र हुआ।बता दें कि इस साल एकमात्र आदिपुरुष ऐसी फिल्म थी, जिसने पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई की थी। इसने 136 करोड़ रुपये बॉक्स ऑफिस पर कूटे थे। बहरहाल, अब लियो इस साल की सबसे बड़ी ओपनर बन गई है।

लियो इस साल आईं फिल्मों में पहले

दिन दुनियाभर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म तो 2023 में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा ओपनिंग लेने वाली फिल्म बन गई है।कर्नाटक और केरल में यह अब तक की पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली साउथ फिल्म तो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में यह 2023 की ओपनिंग डे पर सबसे कमाऊ बनी फिल्म बनी है, वहीं भारत में पहले दिन सबसे ज्यादा कमाने वाली यह पहली साउथ फिल्म है।

भले ही लियो पर पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर पैसों की खूब बरसात हुई हो, लेकिन इसे लेकर दर्शक 2 वर्गों में बंट गए हैं। सोशल मीडिया पर कुछ फिल्म को बकवास बता रहे हैं तो कुछ ब्लॉकबस्टर।फिल्म के कमजोर क्लाइमैक्स और कहानी की आलोचना हो रही हो, लेकिन विजय ने अपने धांसू अभिनय से दर्शकों को अपना मुरीद बना दिया है।लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में संजय दत्त विलेन बने हैं। पहले दिन सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में आरआरआर, बाहुबली और केजीएफ 2 शामिल हैं। आरआरआर ने पहले दिन 223.5 करोड़ रुपये तो बाहुबली ने 214.5 करोड़ रुपये कमाए थे, वहीं केजीएफ 2 ने 164.5 करोड़ रुपये के साथ अपना खाता खोला था।

उत्तराखण्ड शासन
आज़ादी का अमृत महोत्सव
DESTINATION UTTARAKHAND
जय श्री
समस्त प्रदेशवासियों को
विजयादशमी
की
हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएं

प्रिय प्रदेशवासियों,

आप सभी को विजयादशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ।

यह पर्व मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम द्वारा अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें एक श्रेष्ठ समाज और महान राष्ट्र के निर्माण की प्रेरणा देता है। आपके मुख्य सेवक के रूप में जनता की सेवा ही मेरे लिए प्रभु श्रीराम की सेवा है और उत्तराखण्ड का विकास ही मेरे लिए राम काज है।

आइए, आज के पावन अवसर पर हम संकल्प लें कि हम भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में देवभूमि उत्तराखण्ड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाएंगे।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

आप पर मुकदमा हुआ तो क्या होगा ?

अजीत द्विवेदी

भारतीय राजनीति का एक नया अध्याय खुलने वाला है। सीबीआई और ईडी दोनों एजेंसियों ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि वो दिल्ली के शराब नीति घोटाले में आम आदमी पार्टी पर भी मुकदमा करने के बारे में विचार कर रही हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने ही यह सवाल उठाया था कि जब शराब नीति में हुए कथित घोटाले से प्राप्त पैसे का इस्तेमाल पार्टी ने किसी राज्य के चुनाव में किया है तो पार्टी को आरोपी क्यों नहीं बनाया गया है? उसके बाद से ही इसका इंतजार हो रहा है कि कब दोनों एजेंसियां सबसे कम समय में राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाली आम आदमी पार्टी पर मुकदमा करती हैं। सवाल है कि अगर केंद्रीय एजेंसियों ने आप के खिलाफ मुकदमा किया तो क्या होगा? इस बारे में कानूनी स्थिति का एक पहलू है लेकिन उससे बड़ा पहलू राजनीतिक है। यह पंडोरा बॉक्स खुलने की तरह होगा। आज तक किसी पार्टी के खिलाफ धन शोधन के मामले में कार्रवाई नहीं हुई है। अगर एक पार्टी के के खिलाफ धन शोधन का मुकदमा दर्ज होता है और कार्रवाई होती है तो देश की तमाम पार्टियों के लिए वह खतरे की घंटी होगी। यह एक शुरुआत होगी, जिसका अंत कहां होगा यह किसी को पता नहीं है। अगर केंद्रीय एजेंसी धन शोधन की जांच करेगी तो राज्यों में सत्तारूढ़ पार्टियों के पास जो एजेंसी होगी वह विरोधी पार्टियों के खिलाफ उसका इस्तेमाल करेगी।

आम आदमी पार्टी के ऊपर धन शोधन निरोधक कानून यानी पीएमएलए के तहत मुकदमा हुआ तो क्या क्या संभावना है उस पर विचार करने से पहले यह जानना दिलचस्प होगा कि इससे कब ऐसी स्थिति आई थी और कैसे उसे टाला गया था। दिल्ली हाई कोर्ट ने 2014 में एक फैसला दिया था, जिसमें उसने भाजपा और कांग्रेस दोनों को विदेशी चंदा नियमन कानून यानी एफसीआरए के उल्लंघन का दोषी पाया था। 1976 में बने एफसीआरए कानून के उल्लंघन का दोषी पाए जाने का मतलब हुआ कि इन दोनों पार्टियों ने 1976 से जो विदेशी चंदा लिया था, उसकी जांच होती और इन दोनों के खिलाफ कार्रवाई होती। लेकिन 2018 में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने कानून में संशोधन कर दिया, जिससे राजनीतिक दलों को मिलने वाला विदेशी चंदा जांच के दायरे से बाहर हो गया। इस तरह भाजपा और कांग्रेस के साथ साथ बाकी सभी पार्टियों की मुश्किल या संभावित मुश्किल समाप्त हो गई। लेकिन उस तरह का कोई काम अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी को बचाने के लिए नहीं होगा।

तभी सवाल है कि मुकदमा हुआ तो आम आदमी पार्टी का क्या होगा और क्या मुकदमे का असर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर भी होगा? इन दोनों सवालों के जवाब बहुत महत्व के हैं। वैसे तो किसी भी पार्टी के खिलाफ इस तरह के आपराधिक मुकदमे की मिसाल नहीं है। इसलिए जो भी होगा वह मिसाल बनाने वाला होगा। इससे या तो पार्टियों के खिलाफ मुकदमा चलाने का रास्ता हमेशा के लिए बंद हो जाएगा या सबके लिए खुल जाएगा। इसमें धन शोधन कानून की धारा 70 की व्याख्या सबसे अहम होगी। पीएमएलए कानून की धारा 70 में कंपनियों की गड़बड़ी की जांच का प्रावधान है। लेकिन राजनीतिक दल और कंपनी दोनों अलग अलग चीजें हैं। जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के मुताबिक एक संगठन या भारत के कुछ नागरिकों के समूह को चुनाव आयोग राजनीतिक दल के तौर पर मान्यता दे सकता है। सो, राजनीतिक दल कंपनी की परिभाषा में फिट नहीं होते हैं। कंपनी एक्ट 2013 के मुताबिक जिस आधार पर कंपनियों का गठन होता है वह राजनीतिक दल से अलग है। तभी जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए की व्याख्या सबसे अहम है। कई कानूनी जानकार मान रहे हैं कि 'एसोसिएशन ऑफ इंडीविजुअल्स' यानी व्यक्तियों के समूह को राजनीतिक दल की मान्यता दी जाती है और कंपनी एक्ट में भी 'फर्म या अदर एसोसिएशन ऑफ इंडीविजुअल्स' का जिक्र है। इस आधार पर ईडी राजनीतिक दल को भी जांच के दायरे में ला सकती है।

एजेंसियों के अलावा एक अहम भूमिका चुनाव आयोग की होगी। चुनाव आयोग के लिए भी यह बिल्कुल नया मामला है। चुनाव आयोग को पार्टियों की मान्यता रद्द करने और नाम, चुनाव चिन्ह आदि सीज करने का अधिकार है। अगर पार्टियों की मान्यता की बात करें तो जन प्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए के तहत चुनाव आयोग को पार्टियों के पंजीकरण का अधिकार है। लेकिन पंजीकरण रद्द करने का अधिकार सिर्फ तीन ही स्थितियों में है। पहली स्थिति तो यह है कि पार्टी ने अपना पंजीकरण फर्जी दस्तावेजों या दूसरे गलत साधनों का इस्तेमाल करके हासिल किया हो। दूसरी स्थिति यह है कि पार्टी संविधान में विश्वास न करे और उसमें वर्णित समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के सिद्धांत को न माने या भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता में विश्वास न करे। तीसरी स्थिति है कि भारत सरकार गैरकानून गतिविधि रोकथाम कानून यानी यूएपीए या इस तरह के किसी दूसरे कानून के तहत किसी पार्टी को गैरकानूनी ठहरा दे तो चुनाव आयोग उसकी मान्यता रद्द कर देगा। लेकिन इस मामले में यह तीनों स्थितियां नहीं दिख रही हैं।

जहां तक चुनाव चिन्ह और पार्टी का नाम सीज करने का मामला है तो इलेक्शन सिम्बल्स (रिजर्वेशन एंड अलॉटमेंट) ऑर्डर की धारा 16ए के तहत कुछ नियम तय किए गए हैं और उन्हीं स्थितियों में चुनाव आयोग किसी पार्टी का नाम या चुनाव चिन्ह सीज कर सकता है। इसके मुताबिक अगर कोई पार्टी चुनाव आचार संहिता का पालन नहीं करती है या चुनाव आयोग की ओर से दिए गए निर्देशों का पालन नहीं करती है तो उसका नाम और चुनाव चिन्ह सीज किया जा सकता है। इस कानून में किसी पार्टी के किसी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल होने पर कार्रवाई का कोई जिक्र नहीं है। सो, अगर आम आदमी पार्टी के ऊपर पीएमएलए के तहत मुकदमा होता है और यहां तक की सजा भी हो जाती है तब भी चुनाव आयोग के लिए कार्रवाई मुश्किल होगी। हां, यह हो सकता है कि यह नया मामला सामने आने के बाद केंद्र सरकार जन प्रतिनिधित्व कानून और चुनाव चिन्ह वगैरह से जुड़े कानून में कुछ बदलाव करे। अगर कानून बदल कर आम आदमी पार्टी पर कार्रवाई होती है तो वह भी एक नजीर बनेगी।

अंत में सबसे अहम सवाल है कि क्या पार्टी के मुखिया के ऊपर भी इस मामले में कार्रवाई हो सकती है? ध्यान रहे चार अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने सवालिया लहजे में कहा था कि ईडी के केस के मुताबिक अवैध कमाई का लाभार्थी राजनीतिक दल है, मनीष सिसोदिया नहीं हैं फिर क्यों नहीं पार्टी को आरोपी बनाया गया? तभी से इस बात पर विचार हो रहा है कि क्या अगर पार्टी को आरोपी बनाया जाता है तो मनीष सिसोदिया आरोप मुक्त हो जाएंगे? कानूनी जानकारों के मुताबिक ईडी चाहे तो आप और सिसोदिया दोनों पर मुकदमा चला सकती है। अब पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की स्थिति देखें। वे पार्टी के मुखिया हैं और अगर ईडी पार्टी को आरोपी बनाती है और यह आरोप लगाती है कि शराब नीति घोटाले से हुई अवैध कमाई का इस्तेमाल पार्टी ने राजनीतिक गतिविधियों में किया तो पार्टी के प्रमुख के तौर पर केजरीवाल जांच के दायरे में आएंगे। इस तरह से भारतीय राजनीति का एक नया अध्याय खुल सकता है, जिसका पटाक्षेप कैसे होगा, यह किसी को अंदाजा नहीं है।

बाइडेन के लिए बाधा बन रही इजराइल की जंग

श्रुति व्यास

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन मध्य-पूर्व में घिर आए संकट के बादलों को जबरदस्त गंभीरता से ले रहे हैं। यहां तक कि वे अपने देश की समस्याओं को परे खिसकाकर इजराइल पहुंच गए हैं और फिलहाल शायद यूक्रेन-रूस युद्ध के बारे में सोच भी नहीं रहे हैं।

लेकिन जिस समय वे टकराव कम करने के अपने मिशन को हासिल करने के लिए हवाई जहाज पर सवार हो रहे थे उसी समय गाजा के एक अस्पताल में हुए विस्फोट में सैकड़ों फिलस्तीनी नागरिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी। हमास ने इसे इजराइल के हवाई हमले का नतीजा बताया, जबकि इजरायली सेना का दावा है कि यह फिलस्तीनी इस्लामिक जेहाद नामक उग्रवादी संगठन द्वारा छोड़े गए राकेटों की वजह से हुआ। लेकिन इस्लामिक जेहाद ने भी इससे इनकार किया है। घटना के लिए कौन जिम्मेदार है इस पर आरोपों-प्रत्यारोपों के दौर के बीच जॉर्डन ने इस 'जघन्य युद्ध अपराध' की निंदा करते हुए उसकी मेजबानी में अम्मान में होने वाली बाइडेन और फिलस्तीन व मिस्र के नेताओं की वार्ता रद्द करने की घोषणा की है। इससे राष्ट्रपति बाइडेन का यात्रा कार्यक्रम फिलहाल सिर्फ इजराइल तक सीमित रह गया है, जिसकी प्रशंसा कम हो रही है और उसे लेकर नाक-भौं ज्यादा सिकोड़ी जा रही है।

सत्रह अक्टूबर को गाजा के अल अहली अरब अस्पताल में हुआ विस्फोट खौफनाक तो था, परंतु आश्चर्यजनक नहीं। इस अस्पताल में बीमार तो थे ही उसके प्रांगण में हजारों स्वस्थ नागरिक भी इस उम्मीद में शरण लिए हुए थे कि अस्पताल पर हमला नहीं होगा। सात अक्टूबर को इजराइल पर हमास के नृशंस आक्रमण, जिसमें करीब 14 सौ लोग मारे गए और दो सौ से अधिक बंधक बना लिए गए, के बाद से ही इजराइल गाजा पर लगातार जबरदस्त बमबारी कर रहा है। इस अभूतपूर्व हमले में अब तक तीन हजार फिलस्तीनी मारे जा चुके हैं और करीब छह लाख अपने घर छोड़ कर चले गए हैं। उनमें से कुछ ने इजराइल के इस आह्वान के बाद अपने घर-बार छोड़े हैं कि फिलस्तीनी गाजा के उत्तरी इलाके, जिसमें वहां का सबसे बड़ा शहर गाजा सिटी भी है, को छोड़ दें। इजराइल ने गाजा पट्टी में भोजन सामग्री, पानी, बिजली और ईंधन की सप्लाई रोक दी है।

इजराइल के सुरक्षा बलों ने अस्पताल पर हुए हमले में अपना हाथ होने से इनकार किया है। उनका कहना है कि फिलस्तीनी इस्लामिक जिहाद नामक एक कट्टरपंथी गुट द्वारा छोड़ा गया रॉकेट किसी खराबी के चलते अस्पताल में गिर गया। परंतु अधिकांश अरब देशों और दुनिया भर के मुसलमानों का मानना है कि यह हमला इजराइल ने ही किया है। ईरान के शीर्ष नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने बिना किसी लागलपेट के कहा कि 'हालिया अपराधों के लिए अमेरिका जिम्मेदार है'। लेबनान स्थित अमेरिकी दूतावास के सामने जबरदस्त प्रदर्शन हुए और मिस्र और जॉर्डन, जिन्होंने कई दशक पहले इजराइल से संबंध स्थापित कर लिए थे, ने भी इस

हमले पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। सऊदी अरब जैसे देश, जिनके साथ इजराइल के संबंध सुधरने शुरू ही हुए थे, भी इस घटना से बहुत नाराज हैं। वेस्ट बैंक के शहरों में अफरा-तफरी और अव्यवस्था का माहौल है क्योंकि बड़ी संख्या में विरोध प्रदर्शनकारी सड?ों पर उतर आए हैं। इससे जो हमास के राष्ट्रवादी संस्करण फिलस्तीनी ऑथोरिटी और उसके नेता महमूद अब्बास की वेस्ट बैंक में पहले से ही कमजोर सरकार की स्थिरता खतरे में पड़ गई है। महमूद अब्बास ने अम्मान में बाइडेन के साथ अपनी प्रस्तावित मुलाकात रद्द कर दी है। वे रमल्ला लौट गएए हैं और उन्होंने तीन दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है।

अमेरिका भले ही मध्य-पूर्व को बहुत महत्व दे रहा हो परंतु इसमें कोई संदेह नहीं कि इस इलाके में बाइडेन और अमेरिका दोनो की छवि तार-तार हो चुकी है। अमेरिका अपने जंगी जहाज इजराइल की ओर रवाना कर चुका है और बाइडेन स्वयं भी इजराइल पहुंचे हैं। इन दोनों कदमों का उद्देश्य ईरान और उसके साथियों को यह संदेश देना है कि वे किसी प्रकार की सैन्य कार्यवाही करने का ख्याल छोड़ दें। इससे अरब देशों को यह संदेश जा रहा है कि अमेरिकी सरकार न केवल फिलस्तीनियों की बदहाली को नजरअंदाज कर रही है वरन् इस बदहाली की जड़- इजराइल के कब्जे- को बनाए रखने रखने में भी मददगार है। पूरे अरब प्रायद्वीप में 'डेथ टू अमेरिका' का नारा गूंज रहा है। शुक्रवार को अमेरिका के मित्र देश बहरीन में एक विरोध प्रदर्शन में भी यह नारा लगाया गया। जॉर्डन ने वार्ताएं स्थगित करते हुए कहा कि अब बातचीत का कोई अर्थ नहीं है और सबसे पहले युद्ध बंद किया जाना चाहिए। अमेरिका की छवि को जो नुकसान पहुंचा है उसके चलते बाइडेन के लिए युद्ध रूकवाना और अमन की बहाली करवाना एक कठिन चुनौती होगी। यह इसलिए भी क्योंकि हाल के कुछ सालों में रूस और चीन कुछ अरब देशों के नजदीक आ गए हैं और वे निश्चित तौर पर इस क्षेत्र में अमेरिका और इजराइल के खिलाफ व्याप्त गुस्से का लाभ उठाना चाहेंगे। इस परिस्थिति में बाइडेन की यात्रा का कोई विशेष मतलब नहीं रह गया है। एक इंटरव्यू में बाइडेन ने इस क्षेत्र के भविष्य के बारे में अपनी सोच का तो खुलासा नहीं किया परंतु कुछ टिप्पणियां अवश्य कीं। उन्होंने कहा कि अगर लड़ाई खत्म होने के बाद भी इजराइल गाजा पर कब्जा बनाए रखता है तो यह बहुत बड़ी भूल होगी। उन्होंने यह भी कहा कि एक अलग फिलस्तीनी देश के निर्माण की राह प्रशस्त की जानी होगी भले ही वह देश अभी तुरंत अस्तित्व में न आए।

जाहिर है कि बाइडेन जोखिम भरे रास्ते पर चल रहे हैं। मुझे लगता है कि वे सफलता पाने के लिए बहुत आतुर हैं। यूक्रेन-रूस युद्ध के मामले में वे कुछ विशेष नहीं कर पाए। अब वे चाहते हैं कि चुनाव में उतरने से पहले कम से कम एक सफलता उनके हाथ लग जाए।

बिशन सिंह बेदी के निधन पर सलमान खान ने किया इमोशनल पोस्ट

मुंबई। बीते दिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी का निधन हो गया और इसके बाद उनके फैंस काफी दुखी नजर आए। बिशन सिंह बेदी के बेटे और अभिनेता अंगद बेदी हैं और इस वजह से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री से भी सितारों के शोक संदेश सामने आए थे। मेगास्टार सलमान खान का एक पोस्ट चर्चा में है और उन्होने अंगद बेदी को लेकर ये नोट लिखा है।

सलमान खान ने अंगद को सांत्वना देते हुए लिखा, श्श्मेरे प्यारे भाई अंगद, मुझे तुम्हारे पिता के बारे में सुनकर दुख हुआ, क्या गेंदबाज और क्या आदमी, हम एक परिवार के रूप में उनसे प्यार करते हैं और उनका सम्मान करते हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दें। अब आप परिवार के मुखिया हैं। ऊपर वाला सिर देख के सरदारी देता है। आपके पिता एक महान भाई थे। तुम्हें प्यार करता हूं।श्श इसके साथ उन्होने अंगद बेदी को टैग किया है। सलमान खान के पोस्ट के बाद लोग भी लगातार कमेंट्स कर रहे हैं। एक ने लिखा है, ये ट्वीट पढ़ कर ही मैं इमोशनल हो गया। एक ने लिखा, अंगद बेदी और उनके परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना। बिशन सिंह बेदी वास्तव में एक महान क्रिकेटर थे।श्श एक ने लिखा, एक लीजेंड जिसे हमने आज खो दिया।

हमास 50 विदेशी बंधकों को रिहा करेगा !

नई दिल्ली। इजराइल-हमास जंग के बीच गाजा पट्टी में बंधक बनाए गए 50 लोगों को रिहा करने पर सहमति बन गई है। रेड क्रॉस की एक टीम इन बंधकों को लेने के लिए गाजा पट्टी के अंदर जा चुकी है, माना जा रहा है कि कुछ ही देर में इन बंधकों की रिहाई हो सकती है, जिनमें ज्यादातर विदेशी नागरिक हैं, इससे दो दिन पहले ही हमास ने दो अमेरिकी नागरिकों को मुक्त किया था। इजराइल और हमास के बीच चल रही जंग के बीच इजराइल के सीमावर्ती इलाकों से बड़ी संख्या में विदेशी नागरिकों और इजराइल के लोगों को बंधक बनाया गया था। इन बंधकों को हमास के लड़ाके ह्यूमन शील्ड के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं, माना जा रहा है कि बंधक हमास के कब्जे में होने की वजह से ही इजराइल पूरी ताकत के साथ हमास पर हमला नहीं कर पा रहा है। अब अमेरिका और कतर की मध्यस्थता के बाद हमास की ओर से 50 बंधकों को छोड़ने की सहमति बनी है।

हालांकि ये वे लोग हैं जो विदेशी नागरिक हैं। इजराइल के नागरिकों को लेकर अभी तक कोई बातचीत नहीं हो पाई है। इजराइल और हमास के बीच चल रहे जंग में बंधक बनाए गए लोगों को छुड़ाने के लिए पिछले कई दिनों से प्रयास चल रहे हैं, कतर के साथ अब अमेरिका ने भी मध्यस्थता की इस पहल को बढ़ाया और हमास और दूसरे स्टेक होल्डर से बातचीत की। माना जा रहा है कि अमेरिका के दबाव डालने के बाद हमास के लड़ाके विदेशी नागरिकता वाले 50 लोगों को रिहा करने पर सहमत हो गए हैं, अब से कुछ ही देर में उनकी रिहाई हो सकती है। अमेरिका और कतर की मध्यस्थता के बाद हमास ने 50 विदेशी नागरिकों को रिहा करने की हामी भर दी है, इसके बाद ही रेडक्रॉस टीम साउथ गाजा पहुंच गई है, यह टीम सभी 50 बंधकों को लेकर रफा क्रासिंग से बाहर निकलेगी। खास बात ये है कि रेडक्रॉस टीम जब तक गाजा पट्टी में रहेगी, तब तक इजराइल वहां कोई हमले नहीं करेगा। टीम के गाजा पट्टी में दाखिल होते ही आईडीएफ ने अपने हवाई हमले को पूरी तरह रोक दिया है।

न्यूयॉर्क में भारतीय मूल के सिख की पीट-पीटकर हत्या

न्यूयॉर्क । न्यूयॉर्क में कार दुर्घटना के बाद 66 वर्षीय एक भारतीय-अमेरिकी सिख बुजुर्ग की पीट पीट कर हत्या कर दी गई। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, सिख व्यक्ति पर आरोपी गिल्बर्ट ऑगस्टिन ने हमला किया था। इस हमले में लगी चोट के कारण उनकी मौत हो गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने बुजुर्ग सिख शख्स की मौत पर शोक जताया है।

बता दें, न्यूयॉर्क में इससे पहले भी सिख समुदाय पर हमले की खबरें आ चुकी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीते गुरुवार (19 अक्टूबर) को जसमेर सिंह अपनी पत्नी को दोपहर में एक डॉक्टर के पास लेकर जा रहे थे। इस दौरान उनकी कार एक शख्स के कार से टकरा गई। जिसके बाद आरोपी गिल्बर्ट ऑगस्टिन ने सिंह पर जानलेवा हमला कर दिया। हमला करने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, वहीं बुजुर्ग सिख व्यक्ति को आनन फानन में क्वींस के अस्पताल ले जाया गया, जहां एक दिन बाद उनकी मौत हो गई। इसके साथ ही आरोपी गिल्बर्ट ऑगस्टिन को भी 20 अक्तूबर को ही गिरफ्तार कर लिया गया। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि जसमेर सिंह बुरी तरह घायल थे। डॉक्टरों ने उनका इलाज किया, लेकिन जसमेर सिंह ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

इस घटना के बाद न्यूयॉर्क में रहने वाले सिख समुदाय में गुस्सा फैल गया। बिगड़ते हालात को देखते हुए न्यूयॉर्क सिटी के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि श सभी न्यूयॉर्क वासियों की ओर से, मैं चाहता हूं कि हमारा सिख समुदाय यह जाने कि आपके प्रति हमारी संवेदनाएं अधिक हैं।हम उस नफरत को अस्वीकार करते हैं जिसने इस निर्दोष की जान ले ली और हम आपकी रक्षा करेंगे।

मोदी केदारपुरी में मनायेगें दीवाली!

विशेष संवाददाता

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर उत्तराखण्ड आने वाले है। सूंत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री दीपावली पर उत्तराखण्ड आयेंगे और केदारपुरी में दीयोत्सव मनायेंगे और बाबा की पूजा अर्चना करेगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस दौरे का कोई अधिकारिक या सरकारी कार्यक्रम नहीं आया है। लेकिन यह कोई अप्रत्याशित बात नहीं है। इससे पूर्व भी चुनाव से पूर्व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा केदार के दर पर आते रहे है और ध्यान साधना करते रहे है। इससे पूर्व 15 नवम्बर को भैयादूज के मौके पर केदारनाथ मन्दिर के कपाट बंद होने के समय उनके उत्तराखण्ड आने की खबर आयी थी। अगर 12 नवम्बर को दीपावली पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उत्तराखण्ड आते है तो यह उनका एक माह में उत्तराखण्ड का दूसरा दौरा होगा। अभी विगत 12 अक्टूबर को प्रधानमंत्री मोदी कुमांऊ दौरे पर आये थे तथा वह आदि कैलाश और अल्मोड़ा के

जागेश्वर धाम गये थे।

प्रधानमंत्री मोदी के उत्तराखण्ड दौरों को उनकी आस्था से जोड़कर तो देखा ही जाता है साथ साथ इसे उत्तराखण्ड में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के

❑एक माह में पीएम का दूसरा दौरा होगा

दृष्टिकोण से अत्यन्त ही महत्वपूर्ण माना जाता है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सिर्फ केदारपुरी के पुर्न निर्माण ही नहीं कराये गये बल्कि बद्रीनाथ धाम में चल रहे मास्टर प्लान के तहत अनेक निर्माण और सौन्दर्यीकरण के काम कराये जा रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विगत 12 अक्टूबर को की गयी आदि कैलाश और जागेश्वर धाम यात्रा का उद्देश्य भी उनकी मानसखण्ड मन्दिर परियोजना का हिस्सा माना जा रहा है। जिसके जरिए कुमांऊ मण्डल में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने का ताना बाना बुना जा रहा है।

उत्तराखण्ड की दौड़, हार का डरः कांग्रेस

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस संभावी केदारपुरी दौरे को लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गयी है। विपक्षी दल कांग्रेस के नेताओं द्वारा इसे प्रधानमंत्री मोदी का चुनावी दौरा बताया जा रहा है। कांग्रेसी नेताओं का कहना है कि यह प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा की घबराहट को ही दर्शाता है कि अब वह बार-बार उत्ताखण्ड की दौड़ लगाने पर मजबूर है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि विपक्षी गठबंधन इंडिया से भाजपा अपनी हार की संभावनाओं से घबराई हुई है। उनके पास अब राम और बाबा केदार के शरणागत होने के अलावा कोई रास्ता ही नही बचा है।

उक्रांद सैनिक प्रकोष्ठ के केन्द्रीय अध्यक्ष बने गडिया

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के केन्द्रीय अध्यक्ष पूरणसिंह कठैत ने सैनिक प्रकोष्ठ का गठन कर कैप्टन (रिटायर) चंद्र मोहन गड़िया को केन्द्रीय अध्यक्ष मनोनित किया।

आज यहां उत्तराखंड क्रांति दल के केंद्रीय अध्यक्ष पूरणसिंह कठैत नें उत्तराखंड सैनिक बाहुल्य क्षेत्र के मध्य नजर सैनिक प्रकोष्ठ का गठन करते हुए कैप्टन (रिटायर) चंद्र मोहन गड़िया को सैनिक

प्रकोष्ठ का केंद्रीय अध्यक्ष मनोनीत किया। इस अवसर पर कठैत नें कहा कि उत्तराखंड सैनिक बहुल्य क्षेत्र हैं, उत्तराखंड राज्य निर्माण में पूर्व सैनिकों का बड़ा योगदान हैं। उत्तराखंड का कोई भी सैनिक रहा हो जंग से लेकर देश की पहरी बनकर कर्तव्यनिष्ठा में अग्रनीय हैं। उत्तराखंड क्रांति दल नें राज्य निर्माण की पहली और राज्य निर्माण आंदोलन को सैनिकों के माध्यम से भी आगे लेकर चला हैं। इस अवसर परमहेन्द्र सिंह रावत, सुनील ध्यानी, कर्नल (रिटायर) सुनील कोटनाला, प्रताप कुंवर, विपिन रावत, दीपक रावत, प्रमोद काला, प्रांजल नौडियाल आदि उपस्थित थे।

होमस्टे से चार एलईडी चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने होम स्टे से चार एलईडी टीवी चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भानियावाला निवासी दीपक सिंह रावत ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि दुर्गा चौक के पास उसका होमस्टे है। आज जब वह वहां पर पहुंचा तो उसने देखा कि होमस्टे के कमरों से चार एलईडी टीवी गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

धीरेंद्र प्रताप ने राज्य सरकार पर आंदोलनकारी आरक्षण के सवाल पर राजनीति करने का लगाया आरोप

देहरादून (कासं)। भाजपा आंदोलनकारी आरक्षण के मसले को लोकसभा चुनाव तक ले जाना चाहती है।

यह आरोप आज यहां चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति के केंद्रीय मुख्य संरक्षक और कांग्रेस के प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने लगाया है धीरेंद्र प्रताप ने कहा है कि राज्य सरकार का लक्ष्य आंदोलनकारी का सम्मान करना नहीं । वो आंदोलनकारी के नाम पर अगले लोकसभा चुनाव में वोटो की खेती करना चाहती है । जो मुंगेरीलाल के हसीन सपने से ज्यादा कुछ नहीं है भाजपा ने जिस तरह से राज्य आंदोलनकारी का दिल दुखाया है अगले लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड की पांचो सीटों पर उसकी पराजय तय है।

15 नवम्बर को बंद होंगे विश्व प्रसिद्ध यमनोत्री धाम के कपाट

हमारे संवाददाता

देहरादून। दशहरा के पावन पर्व पर विश्व प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट बंद होने की तिथि व मुहूर्त तय किये गये है। जिसके अनुसार यमुनोत्री धाम के कपाट 15 नवम्बर को भाई दूज के पावन पर्व पर छह माह के लिए बंद कर दिये जायेगें।

आज मां यमुना के शीतकालीन प्रवास खरशाली गांव स्थित मॉदिर परिसर में पुरोहित समाज की बैठक में मुहूर्त निकाला गया है। जिसके अनुसार यमुनोत्री धाम के कपाट 15 नवंबर बुधवार को भाई दूज के पावन पर्व पर 11 बजकर 57 मिनट पर अभिजीत मुहूर्त(मकर लग्न) में विशेष पूजा अर्चना के बाद छह माह के लिए बंद किए जाएंगे।

बता दें कि गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने की तिथि व मुहूर्त शारदीय नवरात्र के पहले दिन तय किये गये थे। गंगोत्री धाम के कपाट शीतकाल के लिए 14 नवंबर को अन्नकूट के पावन पर्व पर अभिजीत मुहूर्त की शुभ बेला पर 11 बजकर 45 मिनट पर बंद किए जाएंगे। इस वर्ष जहां चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं ने नया कीर्तिमान स्थापित किया। ठीक उसी प्रकार पंच केदार में तृतीय तुंगनाथ की यात्रा ने भी नया कीर्तिमान बनाया है। जहां, पहली बार दर्शनार्थियों की संख्या एक लाख के पार पहुंच गई है। बाबा के भक्तों के उमड़ने से यात्राकाल में मस्तूरा से तुंगनाथ तक कारोबार को भी नई गति मिली है।

उत्तराखंड पुलिस ने एक डाटा जारी किया है, जिसके मुताबिक 50 लाख से अधिक श्रद्धालु इस बार अभी तक बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब में यात्रा कर चुके हैं। वहीं, सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं ने केदारनाथ धाम की यात्रा की है। इसके बाद बद्रीनाथ धाम और फिर गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की यात्रा की है।

एक नजर

बस-कार की जबरदस्त टक्कर में 7 लोगों की मौत

चेन्नई। तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई में भीषण सड़क हादसा हो गया, जहां एक कार और बस की जोरदार टक्कर हो गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार ने बताया कि मृतकों में असम के पांच मजदूर भी शामिल हैं। यह दुर्घटना उस समय हुई जब एसयूवी लगभग 11 लोगों को ले जा रही थी, जिनमें ज्यादातर श्रमिक थे, जो कि कृष्णागिरी की ओर जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात तिंडीवनम-कृष्णागिरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेंगलुरु से यहां आ रही तमिलनाडु राज्य परिवहन निगम की बस से एसयूवी टकरा गई। एसयूवी में यात्रा कर रहे 11 लोगों में से सात श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायलों को तिरुवन्नमलाई के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान

असम के भीनमाल तीर्थ, कुंचा राय, दल्लू, निकोलस और नारायण सेठी और ड्राइवर पुनीथ कुमार और कृष्णागिरी जिले के कामराज के रूप में की गई है। वे सभी होसुर के पास एक फैक्ट्री में कामगार थे और आयुध पूजा के दिन पुडुचेरी की यात्रा के बाद लौट रहे थे। पुलिस ने कहा कि टीएनएसटीसी बस के यात्री और चालक दल भी घायल नहीं हुए। एक मामला दर्ज किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करुमंगलम राजमार्ग पर कार तिरुवन्नामलाई से बेंगलुरू की तरफ जा रही थी। उसी सड़क पर बस यात्रियों को लेकर बेंगलुरु से तिरुवन्नामलाई की तरफ आ रही थी। तभी कार चालक नियंत्रण खो बैठा और सामने से आ रही बस टक्कर मार दी। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए।

भीड़ ने 16 साल के लड़के को पीट-पीटकर मार डाला

नई दिल्ली। झारखंड के दुमका में बाइक के भैंस से टकराने पर 16 साल के लड़के को पीट-पीटकर जान से मारने का मामला सामने आया है। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिसकर्मियों ने गांव वालों को भरोसा दिलाया है कि वह दो दिनों के अंदर आरोपियों को पकड़ लेंगे। जानकारी के मुताबिक घटना हंसडीहा थाना क्षेत्र के ठाठी गांव की है। पुलिस ने बताया कि

टोला के कुरमाहाट का रहने वाला 16 साल का लड़का मोटरसाइकिल से अपने तीन दोस्तों के साथ फुटबॉल मैच देखकर लौट रहा था। इस दौरान रास्ते में उसकी बाइक एक भैंस से टकरा गई। इस घटना के बाद वहां मौजूद लोग बुरी तरह से भड़क गए। उपमंडल पुलिस अधिकारी आमोद नारायण सिंह के मुताबिक जल्द ही लड़कों और भैंसों के झुंड के साथ आए लोगों के बीच बहस शुरू हो गई। पीड़ित भैंस के मालिक को मुआवजा देने पर भी सहमत हो गया, लेकिन चार लोगों ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि लड़के को सरैयाहाट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

प्राइवेट पार्ट में छुपा रखा था 602 ग्राम सोना, गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के लखनऊ एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने एक शख्स को गिरफ्तार किया। दरअसल, दुबई से चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पहुंचे यात्री ने अपने प्राइवेट पार्ट में 601.80 ग्राम का सोना छुपा रखा था। इसकी कीमत 36.93 लाख रुपये बताई जा रही है। यह यात्री सोमवार को दुबई से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचा था। कस्टम विभाग के अधिकारियों को उस पर शक हुआ। जिसके बाद उसकी चेकिंग ली गई। लेकिन चेकिंग में उसके पास ऐसा कुछ भी नहीं मिला। फिर उन्होंने उसका एक्सरे करवाया। तब

पता चला कि उसके मलाशय में 601.80 ग्राम सोने का पेस्ट है। कस्टम विभाग ने सोने को कब्जे में लेकर पूछना शुरू कर दी है। अधिकारी भी हैरान हैं कि लोग स्मगलिंग के लिए कैसे-कैसे तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। बता दें, ये कोई पहला मामला नहीं है जब किसी ने विदेश से सोने की तस्करी इस तरह करने की कोशिश की। इससे पहले भी कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। वाराणसी एयरपोर्ट पर भी यूएई से आने वाले एक शख्स से 38 लाख का सोना बरामद गया है। यह शख्स अपने प्राइवेट पार्ट में सोने के पेस्ट से भरे तीन कैप्सूल छिपाकर ला रहा था। एयरपोर्ट पर स्कैनिंग के दौरान वह पकड़ में आया। उसके मलाशय से 633 ग्राम सोने से भरे कैप्सूल पाए गए। इसके बाद डॉक्टरों की मदद से तस्करी का यह माल बाहर निकाला गया।

मुख्यमंत्री ने नैनी झील किनारे चाय की चुस्कियां का लिया आनंद

संवाददाता

नैनीताल। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नैनी झील के किनारे मार्निंग वॉक के दौरान चाय की चुस्कियां लेकर आनंद लेते हुए लोगों से बातचीत कर फिड बैक भी लिया।

आज यहां उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सादगी के साथ अपने चिर परिचित अंदाज में नैनीताल की ठंडी सड़क समेत आसपास के क्षेत्र के भ्रमण पर निकल गए। इस दौरान मुख्यमंत्री डी एस ए खेल मैदान पहुंचे जहां उन्होंने बच्चों के साथ कुछ देर क्रिकेट खेला। क्रिकेट प्रेमियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से नैनीताल खेल मैदान की स्थिति को दुरुस्त करने और नैनीताल में खेल सुविधाओं को बढ़ाने का प्रस्ताव रखा जिस पर हामी भरते हुए मुख्यमंत्री ने कहा उनके पास खेलों की स्थिति को सुधारने के लिए प्रस्ताव आया है जिस पर अमल किया जा रहा है। इसके बाद मुख्यमंत्री नैनी झील किनारे पहुंचे जहां उन्होंने चाय की चुस्कियां का आनंद लेते हुए स्थानीय लोगों से बातचीत करी और नैनीताल के हालातों पर चर्चा की साथ

❑लोगों से बातचीत कर सुझाव मांगे

ही सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों पर भी चर्चा करते हुए नैनीताल के लिए बेहतर काम किए जाने का सुझाव मांगा। नैनी झील किनारे और सार्वजनिक स्थान पर साफ सफाई कर रहे पर्यावरण मित्रों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल और उनकी समस्याओं को जानते हुए उनके मनोबल को भी बढ़ाया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने कर्मचारियों को उनकी सभी समस्याओं के जल्द से जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। चाय के ठेले पर चाय की चुस्की लेने के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मुलाकात काशीपुर के कुछ पर्यटकों और उनके बच्चों से हुई। इसके बाद मुख्यमंत्री ने पर्यटकों से नैनीताल शहर के पर्यटन क्षेत्र के बारे में बातचीत करी और स्वयं पर्यटकों को चाय पिलाई। इस दौरान मंडी परिषद के अध्यक्ष डॉक्टर अनिल कपूर डब्बू, जिला अध्यक्ष प्रताप बिष्ट,मंडल अध्यक्ष आनंद बिष्ट, भावना शाह,दया किशन पोखरिया समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

27 लाख की स्मैक सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

देहरादून। राजधानी देहरादून में नशा तस्करी कर रहे एक शातिर को एसटीएफ की एएनटीएफ टीम द्वारा 27 लाख की स्मैक सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी अपने पैडलरों के माध्यम से स्कूल कालेजों में स्मैक की सप्लाई करता था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि बीते रोज एसटीएफ की एएनटीएफ टीम को सूचना मिली कि डोईवाला क्षेत्र में एक नशा तस्कर भारी मात्रा में नशीले पदार्थो सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एएनटीएफ टीम द्वारा बताये गये स्थान डोईवाला स्थित विंडलास रिवर वैली के पास घेराबदी कर एक संदिग्ध को दबोचा गया। जिसके पास से 265 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम सोम पाल पुत्र घसीटा सिंह निवासी आर्यनगर थाना डालनवाला जिला देहरादून बताया। बताया कि यह स्मैक वह मुरादाबाद से लेकर आया था जिसको वह डालनवाला व आस पास के स्कूल कॉलेजों में अपने पैडलरो के माध्यम से बिक्री करता है। इस पर एसटीएफ द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स पैडलरो के नाम की जानकारी हुई है जिन पर कार्यवाही की जायेगी। बरामद स्मैक की कीमत 27 लाख रूपये आंकी जा रही है।

विजयदशमी के दिन नेशनल इन्श्योरेन्स फ्राड के मास्टमाइन्ड गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। विभिन्न बीमा कम्पनियों के नाम पर देश भर में कई लोगों से इंश्योरेंस ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए एसटीएफ द्वारा गिरोह के मास्टर माइंड को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी बन्द पड़ी बीमा पोलिसी को जारी रखने हेतु पीड़ितों से ठगी की घटनाओं को अंजाम दिया करता था।

एसटीएफ कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बीते दिनों साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन पर शिकायत प्राप्त हुयी जिसमें शिकायतकर्ता उमेश चन्द्र जोशी पुत्र स्व. देवी दत्त जोशी निवासी आर्शिवाद एनक्लेव बल्लूपुर थाना कैन्ट ने बताया कि कुछ वित्तीय कारणों से उनके द्वारा चलायी जा रही पॉलिसियों को जारी रखने में असमर्थ होने पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर स्वंय को बीमलोकपाल अधिकारी एवं एनपीसीआई अधिकारी बताते हुए कहा गया कि पॉलिसी एजेंट द्वारा उनको गुमराह किया गया है। जांच करने पर जिसमें आपको रकम वापस की जानी है जिसकी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद आपकी राशि वापस कर दी जाएगी।

औपचारिकताओं की इस प्रक्रिया के दौरान अज्ञात लोगों द्वारा विभिन्न बैंक खातो में धोखाधड़ी से कुल 2927768/- जमा करवा लिए गये। जिसके बाद उन्हे पता चला कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है। मामले में साईबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून में पीड़ित की शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन द्वारा की जा रही जांच में सामने आया कि संदिग्ध आरोपी का बडौत बागपत उ.प्र. व नोएडा से सम्बन्ध है। जिस पर एक टीम वहां रवाना की गयी। पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से साक्ष्य एकत्रित करते हुये मुकदमें में आरोपी गौरव अग्रवाल पुत्र विपिन अग्रवाल निवासी काशीरामपुरा कालोनी थाना बडोत जनपद बागपत उ. प्र. व हाल निवासी गोपाल अपार्टमेन्ट बेहरामपुर नोएडा को नोएडा से गिरफ्तार किया गया तथा आरोपी से घटना में प्रयुक्त 1 मोबाईल फोन बरामद किया गया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह अपने साथियों से मिलकर जो व्यक्ति पोलिसी चलाने में असमर्थ हैं व पॉलिसी का प्रयोग नहीं कर रहे हैं उन व्यक्तियों की निजी जानकारी प्राप्त कर उनको विभिन्न माध्यमों से सम्पर्क करते हुए उनकी पॉलिसी की धनराशि उनको वापस करने का लालच देकर घटना को अंजाम दिया करते थे।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।